मुख्य बातें

1. भारत में अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की मूलभूत सांख्यिकीय विवरणियां खंड 37, 31 मार्च 2008 की स्थिती के अनुसार बीएसआर-1 और 2 सर्वेक्षणों के जरिये संकलित किए गए आंकड़ों पर आधारित हैं। इसमें क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के 77,699 कार्यालय शामिल किए गए हैं। ये विवरणियां भारत के अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की प्रत्येक शाखा/कार्यालय से प्राप्त की गई हैं। इसकी मुख्य विशेषताएं यहाँ दी जा रही हैं।

अनुसूचित वाणिज्य बैंकों का बकाया ऋण

2. कुल बकाया ऋण में वृद्धि

- मार्च 2008 की स्थिति के अनुसार अनुसूचित वाणिज्य बैंकों का कुल बकाया ऋण 24,17,007 करोड रु. था। यह वृद्धि 24.1 प्रतिशत की है जबकि पिछले वर्ष इसमें 28.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। *(सारणी सं. 1.3)*
- उधार खातों की संख्या वर्ष 2007 के 9.44 करोड़ से 13.3 प्रतिशत बढ़कर वर्ष 2008 में 10.70 करोड़ तक हो गयी है। (सारणी सं. 1.3)

चार्ट 1 : अनुसूचित वाणिज्य बैंको का बकाया ऋण
1991 से 2008 तक

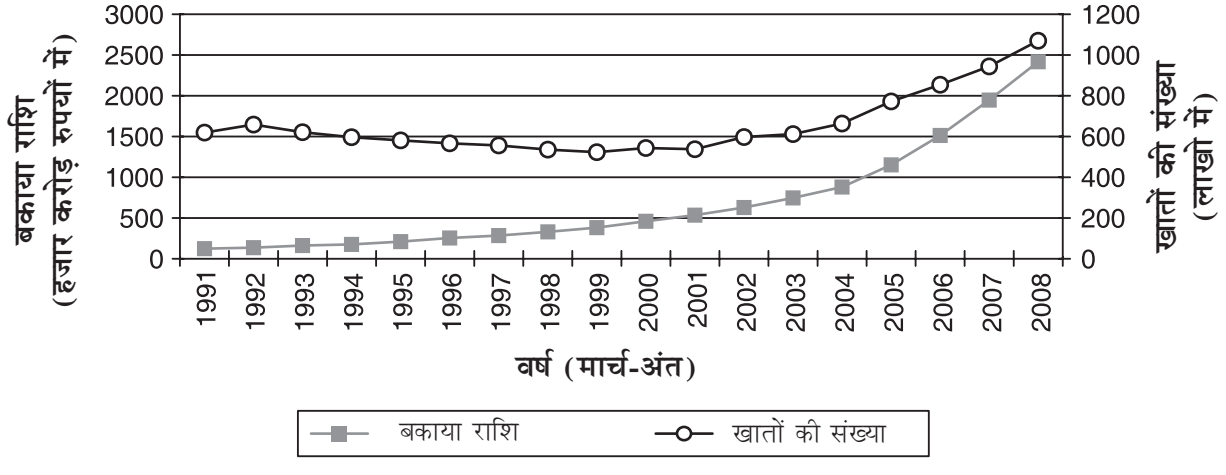

3. बैंक समूहवार ऋण का वितरण

- कुल बैंक ऋण में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का बड़ा हिस्सा रहा है। इसमें 2007 के 47.6 प्रतिशत से 2008 में 48.8 प्रतिशत तक मामूली रुप में बढौती हुई है। अन्य अनुसूचित वाणिज्य बैंकों का हिस्सा 2008 में 19.7 प्रतिशत रहा। विदेशी बैंकों का हिस्सा इस साल कम होकर 6.7 प्रतिशत रहा जो कि पिछले वर्ष 6.9 प्रतिशत था। *(सारणी सं. 1.4)*
- राष्ट्रीयकृत बैंकों ने वर्ष 2008 में 27.4 प्रतिशत की उच्चतम ऋण वृद्धि दिखाई है। स्टेट बैंक और उसके सहयोगी बैंकोंने और अन्य अनुसूचित वाणिज्य बैंकोंने वर्ष 2008 में ऋण में प्रत्येकी 20.9 और 22.0 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। वर्ष 2008 में विदेशी बैंकों ने 19.6 प्रतिशत तथा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने 21.0 प्रतिशत की ऋण वृद्धि दिखाई है।
- 2008 में वृद्धिशील ऋण में स्टेट बैंक और उसके सहयोगी बैंकों, राष्ट्रीयकृत बैंकों तथा अन्य अनुसूचित वाणिज्य बैंकों का हिस्सा क्रमशः 20.0, 54.0 और 18.2 प्रतिशत रहा है।

4. बैंक ऋण का क्षेत्रवार (व्यवसाय के अनुसार) उपयोग

- कुल बैंक ऋण में गैर खाद्य ऋण का हिस्सा 2007 में 97.6 प्रतिशत था जबकि मार्च 2008 में यह थोड़ा सा बढ़कर 98.4 प्रतिशत हो गया। *(सारणी सं. 1.9)*
- कुल बैंक ऋण में कृषि क्षेत्र के हिस्से में 2007 के 11.8 प्रतिशत की तुलना में 11.8 प्रतिशत की थोडीसी घटौती हुई है। उद्योग ऋण का हिस्सा 2008 में बढकर 38.4 प्रतिशत हो गया जो 2007 में 38.1 प्रतिशत था। (सारणी 1.11 और चार्ट-2)
- कुल बैंक ऋण में व्यक्तिगत ऋणों के हिस्से में पिछले वर्ष के 22.3 प्रतिशत से 2008 में 20.1 प्रतिशत तक घट पाई गई है।
- व्यापार के ऋण का हिस्सा वर्ष 2007 के 10.5 प्रतिशत की तुलना में कम होकर 8.8 प्रतिशत हो गया है।

चार्ट 2 : कुल बैंक ऋण का क्षेत्रवार उपयोग

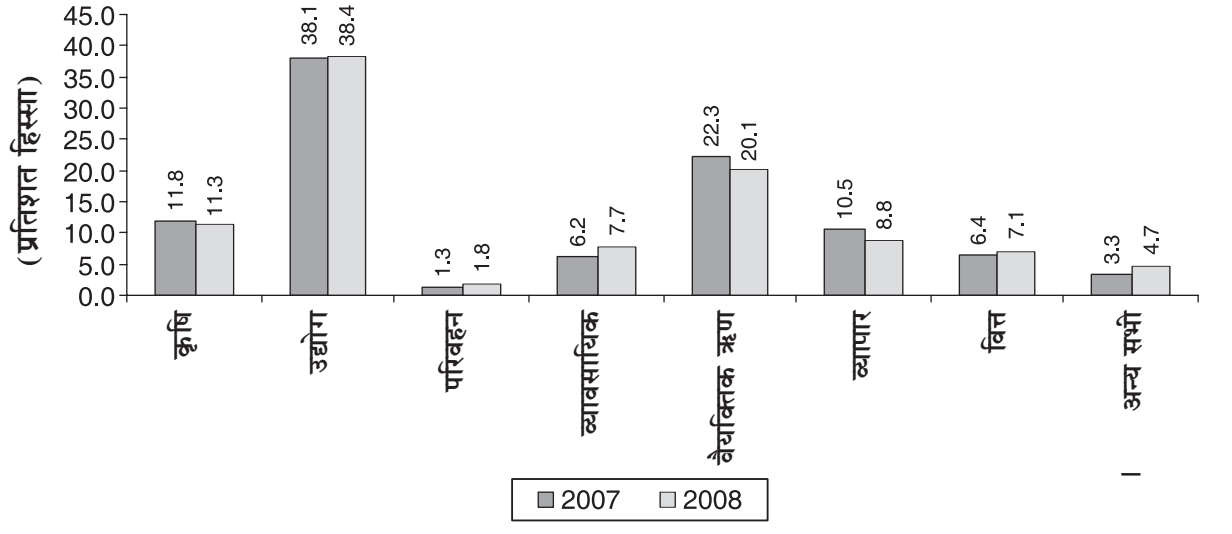

5. क्षेत्रवार (व्यवसाय के अनुसार) ऋण लिया जाना

- कृषि को बैंक ऋण में हुई वृद्धि पिछले वर्ष के 33.3 प्रतिशत की तुलना में 2008 में 19.1 प्रतिशत तक कमी दर्शाती है। *(सारणी 1.9)*
- उद्योग ऋण की वृद्धि में घटौती होकर 2007 की 31.0 प्रतिशत की तुलना में यह वृद्धि 2008 में 25.2 प्रतिशत की रही।
- व्यक्तिगत ऋण में वर्ष 2007 के 22.7 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में वर्ष 2008 में 12.0 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। आवास ऋण जो व्यक्तिगत ऋण का एक भाग है, पिछले वर्ष के 25.7 प्रतिशत की तुलना में इस साल 8.5 प्रतिशत तक बढ़ गया।

6. वृद्धिशील बैंक ऋण (व्यवसाय के अनुसार)

- वृद्धिशील ऋण में, उद्योग क्षेत्र का हिस्सा वर्ष 2007 में 40.5 प्रतिशत था। वही प्रवृत्ति जारी रखते हुए वर्ष 2008 में भी उद्योग क्षेत्र ने 39.7 प्रतिशत तक मुख्य हिस्सा बरकरार रखा है।
- कृषि क्षेत्र ने वृद्धिशील ऋण 2008 में 9.4 प्रतिशत ग्रहण किया जो वर्ष 2007 में 13.3 प्रतिशत था।

- व्यक्तिगत ऋण का वृद्धिशील ऋण में 11.0 प्रतिशत तक हिस्सा रहा जिसमें आवास ऋण 4.2 प्रतिशत था।
- वर्ष 2008 के वृद्धिशील ऋण में व्यावसायिकों को दिये गये ऋण का हिस्सा वर्ष 2007 के 9.1 प्रतिशत से 14.0 प्रतिशत तक बढ़ा।

7. बैंक ऋण का आकार के अनुसार वितरण

- कुल खातों की संख्या में, लघु उधार खातों (जिनकी ऋण सीमा रु. 2 लाख तक है) की संख्या ने 2007 के 89.3 प्रतिशत की तुलना में इस साल 88.4 प्रतिशत का योगदान दिया है जबकि लघु उधार खातों का बकाया ऋण में हिस्सा 2007 के 14.4 प्रतिशत की तुलना में इस साल 13.7 प्रतिशत है। *(सारणी सं. 1.12)*
- 25 करोड़ रुपए से अधिक की ऋण सीमा वाले ऋण के हिस्से में पिछले वर्ष के 33.0 प्रतिशत की तुलना में 2008 में 35.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

8. बैंक ऋण पर ब्याज दर

- ब्याज दर सीमा (जिन खातों की ऋण सीमा रुपए 2 लाख से अधिक है) के अनुसार बकाया ऋण का वितरण यह व्यक्त करता है कि 10-12 प्रतिशत की ब्याज दर श्रेणी की बकाया राशि का समानुपात उच्चतम जैसे 30.5 प्रतिशत था। *(सारणी सं. 1.13)*
- 2 लाख रुपए से ऊपर की ऋण सीमा के सभी ऋणों और अग्रिमों का भारित औसत ब्याज दर (वेटेड एवरेज इंटरेस्ट रेट) मार्च 2008 के अंत में 12.34 प्रतिशत रहा है जो पिछले वर्ष 11.92 प्रतिशत था।

कुल जमाराशियां

9. कुल जमाराशियों में वृद्धि

- 2008 में कुल जमाराशियां 25.1 प्रतिशत की दर से बढ़कर 32,49,946 करोड़ रुपए हो गई। पिछले वर्ष यह वृद्धि 24.2 प्रतिशत की थी। *(सारणी सं. 1.18)*
- 2008 में जमाराशि खातों की संख्या 12.0 प्रतिशत से बढ़कर 58.17 करोड़ रुपए हो गई जो कि मार्च 2007 में 51.91 करोड़ रुपए थी।

10. जमाराशियों का बैंक समूहवार वितरण

- 2008 में कुल बैंक जमाराशियों में राष्ट्रियकृत बैंकों का हिस्सा 48.1 प्रतिशत होकर मुख्य बना रहा। भारतीय स्टेट बैंक और उसके सहयोगी बैंकों का हिस्सा वर्ष 2007 के 22.2 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2008 में 23.2 प्रतिशत हो गया।
- भारतीय स्टेट बैंक और उसके सहयोगी बैंकों ने 31.0 प्रतिशत की उच्चतम वृद्धि दर्ज की है। इसका अनुसरण करते हुए राष्ट्रियकृत बैंको ने 24.1 प्रतिशत तथा विदेशी बैंकों ने 23.1 प्रतिशत की वृद्धि 2008 में दर्ज की है।

11. जमाराशियों के प्रकार

- कुल जमाराशियों में मियादी जमाराशियों का हिस्सा वर्ष 2007 के 61.5 प्रतिशत से अंशतः घटकर वर्ष 2008 में 61.3 प्रतिशत हुआ। चालू तथा बचत (करेंट और सेविंग्स) जमाराशियों के हिस्से 2008 में क्रमशः 13.9 प्रतिशत और 24.8 प्रतिशत रहे जो वर्ष 2007 में 12.4 और 26.1 प्रतिशत थे। *(सारणी सं. 1.18)*

12. मीयादी जमाराशियों की परिपक्वता का स्वरुप (मैच्यूरिटि पैटर्न)

- कुल जमाराशियों में 5 साल और इससे अधिक की मूल परिपक्वता (ओरिजिनल मैच्युरिटि) वाली मीयादी जमाराशियों का हिस्सा पिछले वर्ष के 7.3 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2008 में बढ़कर 8.3 प्रतिशत हो गया है। (सारणी सं. 1.24)

- तीन वर्ष से पाँच से कम वर्ष की परिपक्वता की अवधि की जमाराशियों का हिस्सा 2007 के 15.4 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2008 में कम होकर 14.8 प्रतिशत हो गया। कुल मीयादी जमाराशियों में 1 से 2 वर्ष की परिपक्वता की अवधि का हिस्सा 2007 के 32.7 प्रतिशत से बढ़कर 2008 में 39.9 प्रतिशत हो गया है तथा 6 महिने से 1 वर्ष की परिपक्वता की अवधि के हिस्से में पिछले वर्ष के 17.7 प्रतिशत से 14.2 प्रतिशत तक घट आई है।

13. मीयादी जमाराशियों पर ब्याज दर

- 2008 में बकाया मीयादी जमाराशियों का भारित औसत (वेटेड एवरेज) ब्याज दर 8.71 प्रतिशत रहा है जो मार्च 2007 के भारित औसत ब्याज दर 8.22 प्रतिशत की तुलना में अधिक है। *(सारणी सं. 1.28)*

14. ब्याज दर अंतर - (इंटरेस्ट रेट स्प्रेड)

- मीयादी जमाराशियों के ऊपर बैंक ऋण (बड़े उधार खाते जिनकी ऋण सीमा 2 लाख रु. से अधिक है) का ब्याज दर अंतर (इंटरेस्ट रेट स्प्रेड) 2007 के 3.70 प्रतिशत से कम होकर 2008 में 3.63 प्रतिशत हो गया है।

ऋण जमाराशि (सी-डी) अनुपात
(ऋण की मंजूरी तथा उपयोग के स्थान के अनुसार)

15. जनसंख्या समूह के अनुसार (सी-डी) अनुपात

- अखिल भारतीय ऋण-जमाराशि (सी-डी) अनुपात 2008 में 74.4 प्रतिशत हो गया।

- जनसंख्या समूहवार सी-डी अनुपात, ऋण की मंजूरी की जगह के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्र में मार्च 2008 में 60.3 प्रतिशत था। अर्ध शहरी और शहरी क्षेत्र का सी-डी अनुपात क्रमशः 53.2 तथा 58.4 प्रतिशत था। ग्रामीण, अर्धशहरी और शहरी क्षेत्रों में ऋण के उपयोग के स्थान के अनुसार सी-डी अनुपात क्रमशः 106.5, 59.5, 65.5 प्रतिशत था। महानगरी केंद्रों में मंजूरी तथा उपयोग के स्थान के अनुसार सी-डी अनुपात वर्ष 2007 के 88.5 और 79.0 प्रतिशत की तुलना में क्रमशः 87.2 और 75.7 प्रतिशत दर्ज रहा। *(सारणी सं. 1.6)*

16. भारत के राज्यों में ऋण का स्थानांतरण

- भारत के राज्यों में ऋण की मंजूरी की जगह तथा ऋण के उपयोग की जगह के अनुसार ऋण के स्थानांतरण का विश्लेषण ऋण और जमाराशि (सी-डी) अनुपात के द्वारा किया गया है। *(सारणी सं. 1.7 और चार्ट 3)*

- राजस्थान, चंडीगढ़, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडू का सी-डी अनुपात, ऋण की मंजूरी के स्थान और उपयोग के स्थान, दोनों दृष्टियों से पूरे भारत के सी-डी अनुपात (74.4 प्रतिशत) से अधिक था।

- इन राज्यों में राजस्थान, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडू में ऋण की मंजूरी की अपेक्षा उपयोग का सी-डी अनुपात अधिक था।

चार्ट 3: राज्यवार ऋण जमाराशि अनुपात